तापमान

अधिकतम 31.5 डिग्री

न्यूनतम 16.8 डिग्री

हरिभूमि

बेमेतरा भूमि

रायपुर, बुधवार 21 अक्टूबर 2026

बेमेतरा | देवकर | नवागढ़ | साजा | परपोड़ी | थानखम्हरिया | नांदघाट



खबर संक्षेप

नशे की हालत में मिले दो पुलिस कर्मी सस्पेंड

भिलाई। दुर्ग के एएसआई और आरक्षक शराब के नशे में बेसुध होकर जमीन पर पड़े होने का मामला सामने आने के बाद एसएसपी विजय अग्रवाल ने दोनों को सस्पेंड कर दिया है। मिली जानकारी के मुताबिक एएसआई जीवन प्रकाश एक्का और आरक्षक ऋषिकांत त्रिपाठी है। दोनों बंदी को सेंट्रल जेल में शिफ्ट करने के बाद दोनों पुलिसकर्मी दुर्ग लौटने के लिए प्रतीक्षा बस स्टैंड पहुंचे। जहां सोमवार की सुबह बस स्टैंड के बाहर एक ठेले के पास नशे की हालत में पड़े हुए थे। सूचना पर अंबिकापुर पुलिस मौके पर पहुंची और राइफल को अपने कब्जे में लिया। इसके बाद मामले की जानकारी सरगुजा एसएसपी राजेश अग्रवाल ने दुर्ग एसएसपी विजय अग्रवाल को दी। इस दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने नशे में धुत पुलिसकर्मियों का वीडियो बना लिया, जो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वीडियो में दोनों पुलिस कर्मी साफ दिखाई दे रहे है। 17 अक्टूबर को दुर्ग से एक बंदी को अंबिकापुर सेंट्रल जेल शिफ्ट करने जीवन प्रकाश एक्का और ऋषिकांत त्रिपाठी को दी गई थी। दोनों अपना काम पूरा करने के बाद दुर्ग लौटने के लिए निकले थे, लेकिन नशे की हालत में मिले।

नेवई भाठा में दशहरा उत्सव 21 को

भिलाई। सार्वजनिक दुर्गा एवं दशहरा उत्सव समिति लोक नगर, नेवई भाठा उमरपोटी में 21 अक्टूबर, बुधवार को विजयादशमी पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत शाम 5 बजे रामलीला से होगी। शाम 6 बजे अतिथियों का मंच पर आगमन और 6.10 बजे भगवान श्रीराम की पूजा होगी। मुख्य अतिथि विधायक ललित चंद्राकर और पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू का स्वागत एवं उद्बोधन होगा। शाम 6.30 बजे राम-रावण युद्ध, 7.15 बजे रावण वध और आतिशबाजी होगी।

नशीली दवाओं के साथ गिरफ्तार तीन युवकों को दस साल की कैद, एक रिहा

दुर्ग। नशीली दवाओं के साथ गिरफ्तार तीन युवकों को न्यायालय ने 10-10 साल की कैद और एक-एक लाख रुपए के अर्थदंड से दंडित किया। राशि अदा नहीं करने पर आरोपियों को 3-3 माह की अतिरिक्त सज भुगतनी होगी। मामले में एक आरोपी को संदेह का लाभ देते हुए कोर्ट ने रिहा कर दिया। न्यायाधीश पीएस मरकाम के न्यायालय से यह फैसला आया। प्रकरण के मुताबिक घटना 9 जनवरी 2026 को शाम साढ़े 7 बजे की है। मुखबिर की सूचना पर उतई पुलिस ने सेलूद धान मंडी के पास आरोपी सेलूद निवासी त्रिलोकी पिता देवनाथ यादव (27 वर्ष), इंदिरा नगर कुरुद निवासी चेमन पिता लक्ष्मी नारायण (20 वर्ष) और हकीम पिता हनीफ खान (24 वर्ष) को गिरफ्तार किया था। पूछताछ के दौरान मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने संजय नगर रायपुर निवासी मोहम्मद कैश पिता मोहम्मद अकरम को गिरफ्तार कर आरोपी बनाया गया था। प्रकरण में विचारण के दौरान त्रिलोकी के पास से 48 नग नशीली दवाएं पाई गई। इसी प्रकार चेमन और हकीम के पास से 364 नग नशीली दवा मिली। विचारण के बाद तीनों पर दोष सिद्ध पाया गया।

धर्मपुरा में कवि सम्मेलन हास्य-व्यंग्य से बांधा समां

दुर्ग। धमधा तहसील के ग्राम धर्मपुरा में साहूपारा धर्मपुरा दुर्गोत्सव समिति द्वारा कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। तीन घंटे तक चले इस आयोजन में कवियों ने हास्य-व्यंग्य, ददरिया और शायरी के माध्यम से श्रोताओं को खूब आनंदित किया। कविताओं के जरिए सामाजिक कुरीतियों, सरकारी भ्रष्टाचार, भाईचारे, देशप्रेम और मानवता का संदेश भी दिया गया। कवि सम्मेलन की शुरुआत निकुम के कवि प्यारेलाल देशमुख ने की।

पर्व : 26-26 फीट के कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतले भी जलाए गए

असत्य पर सत्य की जीत, धू-धू कर जला 40 फीट का रावण





हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक विजयादशमी पर्व मंगलवार को जिला मुख्यालय के कृषि उपज मंडी परिसर में धूमधाम से मनाया गया। यहां जिले के सबसे बड़े दशहरा उत्सव में हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए। भगवान श्रीराम के जयकारों के बीच 40 फीट ऊंचे विशालकाय रावण का दहन किया गया। वहीं, पहली बार 26-26 फीट ऊंचे कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों का भी दहन हुआ। पुतलों के जलते ही आतिशबाजी से पूरा मैदान गूंज उठा और उपस्थित लोगों ने जय श्रीराम के जयकारे लगाए।

■ कृषि उपज मंडी में उमड़ा हजारों लोगों का सैलाब

इस दौरान पुलिस और प्रशासन की टीम सुरक्षा एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए मुस्तैद रही। दशहरा उत्सव के दौरान रामलीला मंडली ने भगवान श्रीराम और रावण के बीच संवाद तथा युद्ध का मंचन किया। इसके बाद प्रतीकात्मक रूप से रावण वध किया गया। शाम करीब 7 बजे पुतला दहन के साथ ही मैदान में आतिशबाजी शुरू हो गई। इसके बाद भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, माता जानकी और वानर सेना का अभिनंदन किया गया। भगवान श्रीराम का राज्याभिषेक कर आरती उतारी गई। श्रद्धालुओं ने आरती में शामिल होकर आशीर्वाद लिया और विजयादशमी का पर्व मनाया। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष अजय साहू, विधायक दीपेश साहू, नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा, प्रहलाद रजक सहित अन्य जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे। जनप्रतिनिधियों ने नागरिकों को दशहरे की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विजयादशमी का पर्व सत्य के मार्ग पर चलने और बुराई का त्याग करने की सीख देता है। भगवान श्रीराम को वनवास के दौरान अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, लेकिन वे अपने वचन पर अडिग रहे और आदर्श जीवन का उदाहरण प्रस्तुत किया।

चीजगांव में हवन के बाद मां दुर्गा की मूर्तियों का हुआ विसर्जन जोत -जंवारा की निकाली शोभायात्रा



शारदीय नवरात्र के पावन पर्व पर ग्राम चीजगांव में पूरे नौ दिनों तक भक्तिमय वातावरण बना रहा। सोमवार को महाअष्टमी हवन के साथ ग्राम में स्थापित मां दुर्गा एवं ज्ञान की देवी मां सरस्वती की मूर्तियों का विसर्जन मंगलवार को किया गया। इस दौरान पूरा गांव 'जय माता दी' के जयकारों से गूंज उठा और भक्त माता की भक्ति में सराबोर नजर आए। हवन के बाद मंगलवार को माता विसर्जन की शोभायात्रा निकाली गई। भक्तों ने सांग-बाना लेकर अपनी गहरी आस्था प्रकट की, वहीं ज्योत और जंवारा लेकर श्रद्धालु माता शीतला तालाब पहुंचे, जहां विधि-विधान से मां दुर्गा की मूर्तियों का विसर्जन किया गया। विसर्जन के दौरान भक्त भावुक नजर आए और नम आंखों से माता को अगले वर्ष फिर आने का निमंत्रण दिया। ग्राम के प्रमुख मार्ग पर निकली विसर्जन शोभायात्रा के दौरान पूरा गांव भक्तिमय हो गया। ढोल-मांदर और जसगीत की धुन पर भक्त झूमते-नाचते हुए चल रहे थे। जगह-जगह गुलाल-अबीर उड़ाया गया और जगह-जगह शोभायात्रा का स्वागत किया गया।

दो गेटों से आवाजाही की व्यवस्था

दशहरा उत्सव में लोगों की आवाजाही के लिए मंडी परिसर के रायपुर रोड स्थित गेट और मुख्य गेट का उपयोग किया गया। हजारों लोगों की भीड़ को देखते हुए पुलिस टीम आयोजन स्थल पर सक्रिय रही। सुरक्षा व्यवस्था के बीच लोगों ने कार्यक्रम का आनंद लिया।

रामलीला मंचन के बाद हुआ राज्याभिषेक

दशहरा आयोजन के दौरान रामलीला मंडली ने मंच पर भगवान श्रीराम की वानर सेना और रावण की राक्षसी सेना के बीच संवाद एवं युद्ध का मंचन किया। इसके लिए दोनों दल शाम करीब 5 बजे शहर के राम मंदिर परिसर से रवाना होकर मुख्य मार्ग से होते हुए मंडी मैदान पहुंचे। शाम 6 से 7 बजे तक संवाद और युद्ध का मंचन किया गया। रावण वध के बाद भगवान श्रीराम का राज्याभिषेक किया गया और आरती उतारी गई।

सुबह से पुतले खड़े करने में जुटे रहे कारीगर

कृषि उपज मंडी परिसर में रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों को खड़ा करने की तैयारी सुबह से ही शुरू हो गई थी।

आतिशबाजी से गूंज उठा मैदान

रामलीला मंचन के बाद भगवान श्रीराम के हाथों रावण के पुतले का दहन किया गया। पुतलों के जलते ही पटाखों और अनार की आतिशबाजी से पूरा मैदान गूंज उठा। इस दौरान लोगों ने जय श्रीराम के नारे लगाए। विजयादशमी के अवसर पर घरों में भी भगवान श्रीराम और हनुमान जी की पूजा-अर्चना की गई।

मेले जैसा माहौल, मिठाई और खिलौनों की दुकानों पर भीड़

दशहरा उत्सव के दौरान कृषि उपज मंडी परिसर में मेले जैसा माहौल रहा। यहां झूले, होटल, मिठाई, पान, फल और खिलौनों सहित विभिन्न प्रकार की दुकानें लगी थीं। लोगों ने जमकर खरीदारी की। आयोजन स्थल के अलावा पुराना बस स्टैंड, गस्ती चौक, रायपुर रोड, नया बस स्टैंड और प्रताप चौक में भी मिठाई की दुकानें सजी रहीं। दशहरा उत्सव में बैजी, लोलेसरा, गांगपुर, मोहतरा, नवागांव, कोबिया, गुनरबोड़, मटका, बसनी, कंतेली और हथमुड़ी सहित आसपास के अनेक गांवों से हजारों लोग पहुंचे। रावण वध और भगवान श्रीराम की आरती के बाद श्रद्धालु रामजानकी मंदिर पहुंचकर दर्शन-पूजन करते रहे।

घास जमीन पर कब्जे को लेकर हुआ विवाद

चाकू और टंगिया लहराकर जान से मारने की धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

घास जमीन पर मकान बनाने और कब्जे को लेकर हुए विवाद में धारदार चाकू और टंगिया लहराकर जान से मारने की धमकी देने के मामले में सिटी कोतवाली पुलिस ने आरोपी गोवर्धन जांगड़े को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ धारा 296, 351(3) बीएनएस तथा धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त धारदार हथियार जब्त किए हैं।

आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मोहरेंगा निवासी विनोद देवांगन (36) ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 18 अक्टूबर 2026 को दोपहर करीब 1:15 बजे गोवर्धन जांगड़े उसके दुकान के सामने पहुंचा। आरोपी अपने पास लोहे का टंगिया और कमर के पीछे करीब 10 इंच लंबा लोहे का चाकू रखे



हुए था। उसने घास जमीन पर मकान बनाने की बात कहते हुए प्रार्थी से पैसों की मांग की। इस पर प्रार्थी ने भी आरोपी के घास जमीन पर अवैध कब्जा करने की बात कही। इससे नाराज होकर आरोपी ने कमर में रखा चाकू निकालकर लहराया और दूसरे हाथ में टंगिया दिखाते हुए अश्लील गाली-गलौज की तथा जान से खत्म करने की धमकी दी। प्रार्थी ने घटना का वीडियो अपने मोबाइल में बना लिया। शिकायतकर्ता के अनुसार, इससे पहले भी घास जमीन के विवाद को लेकर आरोपी उससे पैसों की मांग कर गाली-गलौज कर चुका था।

हथियार जब्त, आरोपी न्यायिक रिमांड पर

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. हरीश यादव और एसडीओपी भूषण एक्का के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सिटी कोतवाली निरीक्षक सोनल ग्वाला को विवेचना की जिम्मेदारी दी गई। पुलिस ने आरोपी गोवर्धन जांगड़े (32), पिता पुनाराम जांगड़े उर्फ जंगलिहा, निवासी मोहरेंगा को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने अपराध करना स्वीकार किया। उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त लोहे का धारदार चाकू, टंगिया और अन्य साक्ष्य जब्त किए गए। पुलिस ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध पूर्व में मारपीट के दो और आबकारी का एक प्रकरण दर्ज है। आरोपी को 18 अक्टूबर को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में न्यायिक रिमांड पर प्रस्तुत किया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक सोनल ग्वाला, सहायक उप निरीक्षक सुरेश सिंह राजपूत सहित सिटी कोतवाली पुलिस स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

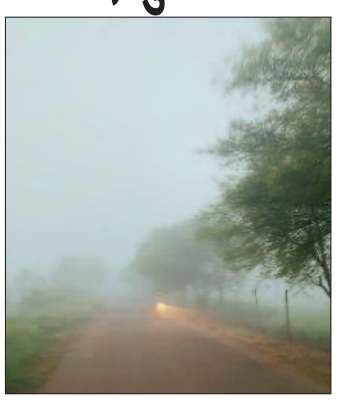
जिले में हल्की ठंड की दस्तक, सुबह कोहरे की चादर में लिपटे गांव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

नवरात्रि और दशहरा के समापन के साथ ही जिले के ग्रामीण अंचलों में मौसम का मिजाज बदलने लगा है। सुबह और देर शाम हल्की ठंड का अहसास होने लगा है, वहीं सुबह के समय कुछ इलाकों में धुंध और कोहरे जैसी स्थिति दिखाई देने की बात सामने आ रही है। खेत-खलिहानों में ओस की बूंदें और सुबह की ठंडी हवाएं सर्द मौसम के आगमन का संकेत दे रही हैं।

■ न्यूनतम तापमान 20 डिग्री के आसपास, अधिकतम 32 डिग्री तक पहुंचने का अनुमान

दीपावली के त्योहार की तैयारियों के बीच मौसम में आया यह बदलाव लोगों को सुहावना लग रहा है। हालांकि, अभी दिन के समय धूप और गर्मी का असर बना हुआ है, इसलिए इसे कड़ाके की ठंड की शुरुआत के बजाय मौसम में धीरे-धीरे आ रहे बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के बेमेतरा



केंद्र के 20 अक्टूबर के पूर्वानुमान के अनुसार, जिले में न्यूनतम तापमान करीब 20.5 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 31.8 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। आगामी दिनों में रात के तापमान में धीरे-धीरे गिरावट के संकेत हैं। 23 अक्टूबर को न्यूनतम तापमान करीब 18.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का पूर्वानुमान है, जबकि दिन का अधिकतम तापमान 32 डिग्री के आसपास बना रह सकता है।

सुबह की सैर से लेकर स्कूल जाने तक दिख रहा असर

मौसम में बदलाव का असर लोगों की दिनचर्या पर भी नजर आने लगा है। सुबह जल्दी उठकर सैर करने वाले लोग हल्की ठंड के बीच घरों से निकल रहे हैं। वहीं, विद्यार्थी ट्यूशन और स्कूल-कक्षाओं के लिए सुबह-सुबह सड़कों पर दिखाई देने लगे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में खेतों की ओर जाने वाले किसानों और मजदूरों को भी सुबह के वक्त हल्की कनकनी का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, दोपहर में धूप निकलने के कारण गर्मी का अहसास बना रहता है। ऐसे में सुबह और दोपहर के मौसम में अंतर महसूस किया जा रहा है।

त्योहारों के बीच मौसम का सुहावना मिजाज: नवरात्रि और दशहरा के बाद अब लोगों को दीपावली का इंतजार है। घरों की साफ-सफाई, रंग-रोगन और त्योहार की तैयारियों के बीच मौसम का सुहावना मिजाज उत्साह बढ़ा रहा है। ग्रामीण अंचलों में सुबह और शाम के समय हल्की ठंडक लोगों को राहत दे रही है। दिन की गर्मी कम होने और रात के तापमान में गिरावट आने के साथ ही आने वाले दिनों में ठंड का असर बढ़ने की संभावना है। ▶▶| शेष पेज09 पर

घर-घर उतारी गई आरती, जस गीतों पर झूमे श्रद्धालु

नवदुर्गा की निकाली शोभायात्रा, अंचल में गूंजे मां दुर्गा के जयकारे, शिवनाथ नदी में दी गई विदाई



हरिभूमि नप्यूज ▶▶| बेरला

शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व के समापन पर दशमी तिथि को संपूर्ण बेरला अंचल में माँ दुर्गा की प्रतिमाओं की भव्य एवं दिव्य शोभायात्रा निकाली गई। नौ दिनों तक चले शक्ति की उपासना के इस महान पर्व के बाद माता रानी को भावभीनी विदाई दी गई। शोभायात्रा के दौरान पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में डूब गया और श्रद्धालुओं के उत्साह व उमंग से माहौल पूरी तरह धर्ममय नजर आया।

उल्लेखनीय है कि बेरला ब्लॉक के ग्रामीण अंचलों, चौक-चौराहों तथा प्रमुख देवी-देवालयों में मां दुर्गा की मनमोहक प्रतिमाओं और ज्योत-जंवारा की स्थापना की गई थी। बीते नौ दिनों तक श्रद्धालुओं ने मां भगवती के सम्मुख बैठकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद और घंटियों की मधुर ध्वनि से पूरे गांव का वातावरण पवित्र और भक्तिमय बना रहा।

भजन-कीर्तन और महाप्रसाद का हुआ आयोजन

ग्राम मनियारी सहित आसपास के दुर्गा पंडालों में देर रात तक भजन-कीर्तन का दौर चलता रहा, जिसमें श्रद्धालुओं ने मां जगदंबे की महिमा का गुणगान किया। अष्टमी और नवमी तिथि पर विशेष हवन-पूजन के उपरांत माता रानी को हलवा-पूरी का भोग अर्पित किया गया। तत्पश्चात महादेव चौंक अम्बे उत्सव समितियों द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन कर भक्तों के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया।



शिवनाथ नदी तट पर उमड़ा आस्था का जनसैलाब

गांव का भ्रमण करने के पश्चात शोभायात्रा बेमेतरा-बेरला क्षेत्र के समीप बहने वाली पवित्र शिवनाथ नदी के तट पर पहुंची। विसर्जन स्थल पर माता रानी के अंतिम दर्शन और आशीर्वाद पाने के लिए हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी रही। जय अंबे, जय जगदंबे और मां दुर्गा के गगनभेदी जयघोषों से नदी का तट गूंज उठा, जिससे वातावरण अत्यंत अलौकिक हो गया।

शास्त्रोक्त विधि से हुआ विसर्जन

शिवनाथ नदी के तट पर आचार्यों द्वारा विधि-विधान से माता रानी की अंतिम आरती व पूजन संपन्न कराया गया। इसके बाद अगले वर्ष पुनः आगमन की कामना के साथ मां दुर्गा की प्रतिमाओं को शिवनाथ नदी की जलधारा में विसर्जित किया गया। माता की विदाई के इस भावुक क्षण में श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं और सभी ने भक्तिभाव से माता से सुख-समृद्धि एवं जन-कल्याण का आशीर्वाद मांगा।

मनियारी में एकजुट हुईं विभिन्न उत्सव समितियां

विजयादशमी के शुभ अवसर पर ग्राम मनियारी में स्थापित महादेव चौक जय अंबे उत्सव समिति, बजरंग चौक दुर्गा उत्सव समिति तथा महामाया चौक दुर्गा उत्सव समिति द्वारा संयुक्त रूप से भव्य विसर्जन यात्रा निकाली गई। सभी समितियों ने अपने-अपने पंडालों से माता रानी की प्रतिमाओं को गाजे-बाजे के साथ गांव भ्रमण के लिए रवाना किया, जिसे देखने के लिए ग्रामीणों का हुजूम उमड़ पड़ा। शोभायात्रा जब गांव की गलियों और स्थानीय मंदिरों से गुजरी, तब श्रद्धालुओं ने अपने-अपने घरों के सामने माता रानी की आरती उतारी और श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद मांगा। ढोल-नगाड़े, झांझ-मंजीरे की थाप और पारंपरिक जस गीतों की गूंज पर महिलाएं, कन्याएं और युवा भक्त झूमते-नाचते नजर आए। पूरे रास्ते 'जय माता दी' और 'मां शेरावाली' के जयकारों से दिशाएं गुंजायमान होती रहीं।

खबर संक्षेप

कार्मिक कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित



भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के यूनिवर्सल रेल मिल (यूआरएम) में शिरोमणि पुरस्कार कार्यक्रम हुआ। उत्कृष्ट कार्य के निष्पादन के लिए सात कार्मिकों को किशोर सिंह (जेई), संतोष वर्मा (जेई), श्री राजेश कुमार पंडितबसंत कुमार मांझी सौमेन चक्रवर्ती टाटीकोंडा श्रीकर (ईए) तथा हेमंत कुमार खुटेले को सम्मानित किया गया मुख्य महाप्रबंधक शिशिर शुक्ला ने कार्मिकों को उपहार, प्रशस्ति पत्र, मिठाई कूपन एवं उनके जीवनसाथियों को प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।
महाप्रबंधकगण डी.एन. बेहरा, एस.के. ओसवाल, इलियास अहमद, रणबीर पाल, पंकज कुरील, अजय कुमार व बी.एन. मुखर्जी आदि अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रबंधक इतवारी राम चेलक ने किया तथा अतिरिक्त श्रम कल्याण अधिकारी बहोरन लाल साहू ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

नवमीं पर विधायक रिकेश ने की 101 कन्याओं की पूजा, भेंट किए सुरक्षा किट

भिलाई। नवरात्रि की नवमी के पावन अवसर पर वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने लोकांगन परिसर में मां नवदुर्गा के नौ स्वरूपों के सानिध्य में सपत्नीक 101 नवजात कन्याओं का पूजन किया। इस दौरान परिसर में उपस्थित सैकड़ों कन्याओं को भोजन कराया गया। पूजन के पश्चात सभी 101 नवजात कन्याओं की माताओं को 11-11 हजार रुपये मूल्य की मां शिशु सुरक्षा किट भेंट की गई। किट में नवजात शिशु और उसकी माता के लिए कपड़े, कंबल, बेबी किट सहित अनेक आवश्यक सामग्री शामिल है। विधायक की इस पहल ने कन्या पूजन की परंपरा को बेटियों के सम्मान, सुरक्षा और बेहतर भविष्य की जिम्मेदारी से जोड़ने का संदेश दिया। विधायक रिकेश सेन ने बताया कि वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में 1 मई 2026 से जन्म लेने वाली प्रत्येक कन्या को मां शिशु सुरक्षा किट प्रदान की जा रही है।

ग्रामीण क्षेत्रों के 9568 श्रमिकों को मिला रोजगार, 48.76 करोड़ का भुगतान

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

गांवों में रोजगार के साथ विकास की रफ्तार भी तेज हो रही है। विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन ग्रामीण यानी जी-राम-जी के तहत दुर्ग जिले में मजदूरों को काम देने के साथ गांवों में टिकाऊ परिसंपत्तियां तैयार करने पर जोर दिया जा रहा है। योजना के तहत अब तक 4,875.73 लाख रुपये यानी करीब 48.76 करोड़ रुपये की मजदूरी का भुगतान किया जा चुका है। जिले के दुर्ग, धमधा और पाटन जनपद पंचायतों में वर्तमान में कुल 9,568 श्रमिक कार्यरत हैं। इनमें धमधा में 4,365, दुर्ग में 3,346 और पाटन में 1,857 श्रमिक शामिल हैं। योजना के तहत पात्र ग्रामीण परिवारों को एक वित्तीय वर्ष में 125 दिनों तक रोजगार की गारंटी देने का प्रावधान है। ग्रामीण ग्राम पंचायत के माध्यम से काम की मांग कर सकते हैं। मांग के 15 दिनों के भीतर रोजगार उपलब्ध कराने की व्यवस्था है।

एनएए से सीधे खातों में पहुंच रही मजदूरी

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे ने बताया कि मजदूरी भुगतान को पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के लिए सिंगल नोडल अकाउंट के माध्यम से प्रत्यक्ष लाभ अंतरण द्वारा राशि श्रमिकों के बैंक अथवा डाकघर खातों में भेजी जा रही है। स्वीकृत कार्यों और भुगतान की लगातार निगरानी की जा रही है, ताकि श्रमिकों को समय पर मजदूरी का लाभ मिल सके। जनपदवार भुगतान में पाटन में 1,782.01 लाख रुपये, दुर्ग में 1,602.23 लाख रुपये और धमधा में 1,400.40 लाख रुपये की मजदूरी का भुगतान किया गया है।

विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन के तहत उपलब्ध कराया जा रहा रोजगार



तालाब, डबरी से लेकर स्कूलों तक कराया जा रहा परिसंपत्तियों का निर्माण

योजना के तहत तालाब, डबरी और जल निकासी जैसे कार्यों से वर्षा जल संचयन, भूजल संवर्धन और कृषि गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। वहीं, स्कूल, आंगनबाड़ी और शौचालय निर्माण से ग्रामीण अधोसंरचना मजबूत होगी। इन कार्यों से एक ओर ग्रामीणों को रोजगार मिलेगा, वहीं दूसरी ओर गांवों में लंबे समय तक उपयोगी परिसंपत्तियां तैयार होंगी। कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में स्वीकृत कार्यों की नियमित समीक्षा और गुणवत्ता की निगरानी की जा रही है। जिला पंचायत का लक्ष्य रोजगार सृजन के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देना और ग्रामीणों को टिकाऊ परिसंपत्तियों का लाभ उपलब्ध कराना है।

भिलाई इस्पात मजदूर संघ ने मुख्य महाप्रबंधक से की चर्चा

बीएसपी में मेन पावर कम होने से कर्मचारियों की बढ़ी मुश्किलें, शुरू नहीं हुई मोटिवेशन स्कीम

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र में कर्मचारियों के तेजी से रिटायर होने और भर्ती नहीं होने से कार्यरत कर्मियों पर काम का दबाव बढ़ रहा है। इसके अलावा कई तरह की समस्याओं से भी कर्मियों को दिक्कते हो रही हैं। इसे देखते हुए भिलाई इस्पात मजदूर संघ ने प्रबंधन से मेन पावर बढ़ाने सहित लंबित समस्याओं के जल्द निदान की मांग की है।

बीएमएस के प्रतिनिधिमंडल की मुख्य महाप्रबंधक ब्लास्ट फर्नेस विवेक वर्मा के साथ हुई बैठक में यूनियन ने कर्मचारियों को 1 साल में दो बार सेफ्टी शू देने ,ब्लास्ट फर्नेस 6 के सामने की कैंटीन को रिनोवेट कर मुख्य कैंटीन के रूप में सुविधाएं बढ़ाने, ब्लास्ट फर्नेस 7 मे 24 घंटे लिफ्ट ऑपरेटर की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। साथ ही हाईलाइन एरिया में महिलाओं के लिए रेस्ट रूम बनाने, चार्जिंग एरिया में ठेका कंपनी के कर्मचारी एवं बीएसपी कर्मचारियों के बीच बेहतर तालमेल सुनिश्चित करने ,नान फाइनेंशियल मोटिवेशन स्कीम शुरू करने एवं रेगुलर मैनपॉवर बढ़ाने की मांग की गई

बीएमएस के अध्यक्ष प्रदीप कुमार पाल ने कहा कि पहले बीएसपी कर्मचारियों को 1 वर्ष में दो बार अच्छी क्वालिटी का सेफ्टी शू दिया जाता था,लेकिन पिछले कुछ वर्षों में कॉस्ट कंट्रोल का बहाना कर एक साल में सिर्फ एक बार सेफ्टी शूज दिया जा रहा है । सेफ्टी अप्लायंसेज में कॉस्ट कंट्रोल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा कर्मचारियों को 1 वर्ष में दो बार सेफ्टी शू दिया जाए । साथ ही ब्लास्ट फर्नेस 1,2,3 बंद हो गया है अभी ब्लास्ट फर्नेस 4,6 एवं 7 चालू है 1 ज्यादातर कर्मचारी इसी एरिया में काम करते है जिन्हें नाश्ता एवं भोजन के लिए मुख्य बिल्डिंग की तरफ आना पड़ता है । मुख्य बिल्डिंग का कैंटीन सेकंड फ्लोर में होने के कारण कर्मचारी वहां जाने से कतराते है 1 इन सब समस्याओं को देखते हुए ब्लास्ट फर्न 6 के सामने की बिल्डिंग नंबर 8 की कैंटीन को रिनोवेट कर वहाँ मुख्य कैंटीन के रूप में सुविधाए उपलब्ध हो।

तेजी से रिटायर होने और भर्ती नहीं होने से परेशानी बढ़ी



स्टॉक हाउस एवं हाई लाइन एरिया में डस्ट

उपाध्यक्ष घनश्याम पांडेय ने ब्लास्ट फर्नेस 4 व6 के स्टाक हाउस एरिया एवं हाइलाइन एरिया में अत्यधिक डस्ट होने के स के कारण कर्मचारियों को हो रही परेशानी के साथ दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। अनिल राय ने ब्लास्ट फर्नेस 7 की लिफ्ट में तीनों शिफ्ट में ऑपरेटर उपलब्ध कराने की मांग की । उन्होंने ब्लास्ट फर्नेस स्टोव कोल ब्लास्ट एरिया में अत्यधिक आवाज होने के कारण वहां काम करने वाले कर्मचारियों को हो रही परेशानियों को मुद्दा उठाते हुए इस समस्या को दूर करने की मांग की । बैठक मेंअरविंद प्रताप सिंह सुधीर गडेवाल संयुक्त महामंत्री संजय साकुरे एस रवि अनिल गजभिए सचिव नाजीर हुसैन खान अनिल राय सुरेश साहू एवं भागचंद वर्मा उपस्थित थे।

श्रमिकों को मिले पूरा वेतन एवं दीपावली से पहले बोनस

बैठक में यूनियन नेताओं ने ब्लास्ट फर्नेस में काम करने वाले वाले ठेका श्रमिकों को दीपावली से पहले बोनस दिलाने एवं उन्हें पूरा वेतन मिलना सुनिश्चित करने की मांग की । बैठक में ठेका श्रमिकों को पेमेंट स्लिप दिए जाने की भी मांग की गई। यूनियन के कार्यकारी अध्यक्ष वंश बहादुर सिंह ने ब्लास्ट फर्नेस प्रबंधन द्वारा इस वर्ष सबसे पहले नान फाइनेंशियल मोटिवेशन स्कीम की राशि को प्राप्त कर कर्मचारियों को गिफ्ट दिए जाने की सराहना की। उन्होंने कहा कि सेल प्रबंधन ने 1 0हजार करोड़ के प्रॉफिट का लक्ष्य रखा है यह लक्ष्य हम तभी हासिल कर सकते हैं जब कर्मचारियों का मनोबल ऊंचा रहेगा कर्मचारियों के मनोबल को ऊंचा बनाए रखने के लिए नान फाइनेंशियल स्कीम को लगातार जारी रखा जाए ।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से पुलिसिंग होगी बेहतर

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

सेक्टर 6 स्थित पुलिस कंट्रोल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग को लेकर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। आधुनिक तकनीक के माध्यम से शासकीय दस्तावेज तैयार, मीडिया सामग्री को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत, गोपनीयता की जानकारी के बारे में ट्रेनिंग दी गई। पुलिसकर्मियों को आधुनिक तकनीक से परिचित कराने तथा दैनिक कार्यालयीन कार्यों को सरल, समयबद्ध, प्रभावी बनाने के उद्देश्य से यह पहल की गई। पुलिस कंट्रोल रूम, सेक्टर 6, भिलाई में दुर्ग जिले के विभिन्न थानों एवं पुलिस कार्यालयों में पदस्थ रीडर्स को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के व्यावहारिक उपयोग का ट्रेनिंग दिया गया। एएसपी ग्रामीण ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विभिन्न उपयोगों की जानकारी देते हुए बताया कि इन तकनीकों का उचित उपयोग कार्यालयीन कार्यों को कम समय में व्यवस्थित ढंग से पूरा करने में सहायक हो सकता है। रेंज साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन के उप निरीक्षक ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की कार्यप्रणाली, प्रभावी उपयोग को उदाहरणों के माध्यम से समझाया।

- पुलिसकर्मियों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने का पहल

उन्होंने बताया कि स्पष्ट सटीक निर्देश देकर आधारित उपकरणों की सहायता से शासकीय पत्र, प्रतिवेदन, बैठक की कार्रवाई अन्य का य ि ल यी न दस्तावेजों के प्रारूप तैयार किए जा सकते हैं। इसके अलावा लंबे आदेशों एवं दस्तावेजों का सारांश तैयार करने में भी इसका उपयोग किया जा सकता है। प्रशिक्षण में मीडिया एवं सोशल मीडिया के लिए फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, वीडियो बाइट रिकॉर्ड करने, सामग्री प्रकाशित करने से पहले तथ्यों, कैप्शन, विवरण की जांच करने को लेकर जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को समझाया गया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बेहतर परिणाम मिल सकते है। इस दौरान एएसपी ग्रामीण मणीशंकर चंद्रा समेत अन्य पुलिस कर्मी मौजूद थे।

पोटियाकला में रावण दहन आज

दुर्ग। पोटियाकला वार्ड नं.-54 दुर्ग में गोविन्द नवयुवक समिति पोटियाकला एवं समस्त वार्डवासियों के सहयोग से दशहरा महोत्सव 60 वां वर्ष का भव्य पारम्परिक आयोजन 21 अक्टूबर बुधवार को दशहरा मैदान में किया जा रहा है। जिसमें समिति के दिनेश रितिक प्रमुख द्वारा रामलीला की प्रस्तुति देते हुए अंगद-रावण संवाद, राम-रावण संग्राम एवं रावण पुतला दहन के साथ आकर्षक आतिशबाजी का प्रदर्शन किया जावेगा। मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री अरूण साव होंगे। शिक्षामंत्री गजेन्द्र यादव, महापौर अलका बाघमार आदि मौजूद रहेंगे।

संस्कृत के संरक्षण, संवर्धन और विस्तार के लिए आर्थिक सहयोग बढ़ाने हो प्रयास

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

प्राच्य संस्कृत विद्यालय संघ छत्तीसगढ़ ने प्रदेश में संस्कृत भाषा, संस्कृत शिक्षा और भारतीय सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए राज्य सरकार से पर्याप्त आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराने की मांग की है। संघ ने सं स् कृ त विद्या लयों की शै क्ष णि क व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, शिक्षकों को सम्मानजनक आर्थिक सहयोग देने, महाविद्यालयों में संस्कृत विषय प्रारंभ करने तथा संस्कृत के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए 10 सूत्रीय सुझाव प्रस्तुत किए हैं।

- प्राच्य संस्कृत विद्यालय संघ छग ने सरकार के समक्ष रखीं 10 सूत्रीय मांगें

संघ ने कहा कि संस्कृत भाषा भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा, संस्कृति और साहित्य की महत्वपूर्ण धरोहर है। वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत और पुराणों सहित ज्ञान, विज्ञान, साहित्य एवं कला से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण ग्रंथों की रचना संस्कृत में हुई है। भारतीय संस्कृति की मूल भावना और प्राचीन जीवन



मूल्यों को समझने में संस्कृत की महत्वपूर्ण भूमिका है। देश की एकता और अखंडता को सुदृढ़ करने में भी यह भाषा महत्वपूर्ण योगदान देती है। संघ ने शिक्षकों को आर्थिक सहयोग गैर-अनुदान प्राप्त संस्कृत विद्यालयों में अध्यापन करने वाले शिक्षकों को सम्मानजनक आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराने, संस्कृत पाठशालाओं को स्थानीय परिस्थितियों और आवश्यकताओं के अनुरूप गुरुकुल के रूप में विकसित करने, प्रचार-प्रसार के लिए प्रभावी और व्यापक व्यवस्था करने महाविद्यालयों में संस्कृत विषयःराज्य के महाविद्यालयों में संस्कृत विषय प्रारंभ करने की दिशा में आवश्यक कदम उठाने सहित अन्य मांगें की।

नवरात्रि में गरबा महोत्सव की धूम, युवा से लेकर बुजुर्ग तक थिरके, आकर्षक उपहार पाकर खिले चेहरे

भिलाई। गुजराती गीतों की गूंज, डांडिया की खनक, पारंपरिक परिधानों की रंग-बिरंगी छटा और गरबा की ताल पर थिरकते कदम। कुछ ऐसे ही उत्साहपूर्ण माहौल के बीच हरिभूमि, आईएनएच एवं सर्व शक्ति सेवा समिति का नौ दिवसीय दिलबर डांडिया महोत्सव नवमी के अवसर पर अपने समापन की ओर बढ़ा। सिविक सेंटर स्थित वेल्डेक्स ग्राउंड में आयोजित इस महोत्सव में ट्विनसिटी के लोगों की अच्छी-खासी भीड़ उमड़ी।

बच्चों से लेकर युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों तक सभी ने गरबा-डांडिया में उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। पारंपरिक गुजराती नृत्य, आकर्षक वेशभूषा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने पूरे परिसर को उत्सव के रंग में रंग दिया। वहीं, प्रतिभागियों को आकर्षक उपहार दिए जाने से आयोजन का रोमांच और बढ़ गया। कार्यक्रम में विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष



प्रेमप्रकाश पांडेय और दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, पार्षद वीणा चंद्राकर, रिसाली पार्षद धर्मेंद्र भगत, पिंकी सिन्हा, समाजसेवी प्रशांत पांडेय सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं समाजसेवी शामिल हुए। उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया और आयोजन की सांस्कृतिक गतिविधियों का आनंद लिया। नौ दिनों तक चले इस महोत्सव में हर दिन बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी रही। निःशुल्क प्रवेश की सुविधा ने बच्चों, युवाओं और परिवारों को एक साथ उत्सव में शामिल होने का अवसर दिया। महोत्सव के अंतिम पांच दिनों में प्रतिभागियों के लिए विशेष उपहार रखे गए थे। उपहार वितरण के दौरान लोगों में खास उत्साह देखने मिला। साइकिल सहित अन्य आकर्षक पुरस्कार पाकर प्रतिभागियों के चेहरे खिल उठे। गरबा-डांडिया की मस्ती, सांस्कृतिक छटा और उपहारों के रोमांच ने आयोजन को यादगार बनाया। पिछले 12 वर्षों से ट्विनसिटी की नवरात्रि का खास आकर्षण रहे डांडिया महोत्सव ने एक बार फिर लोगों को परंपरा, उमंग और आपसी मेल-मिलाप के रंग में रंग दिया।

महापौर ने कन्या पूजन के साथ कराया भोज, लिया आशीर्वाद

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग



शारदीय नवरात्रि की महाअष्टमी के पावन अवसर पर नगर पालिक निगम, दुर्ग परिसर स्थित मां दुर्गा मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना, हवन, कन्या पूजन, कन्या भोज एवं महाभंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने मां दुर्गा के स्वरूप कन्याओं की आरती उतारकर विधिवत पूजन किया तथा उन्हें स्नेहपूर्वक भोजन परोसकर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण कर धार्मिक आयोजन में सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम की शुरुआत विशेष पूजा-अर्चना एवं हवन के साथ हुई। महापौर सहित जनप्रतिनिधियों एवं निगम के अधिकारी-कर्मचारियों ने हवन में आहुति अर्पित कर शहरवासियों के सुख, शांति, खुशहाली एवं समृद्धि की कामना की। महापौर अलका बाघमार ने महाअष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नवरात्रि का पर्व शक्ति, श्रद्धा, भक्ति और सेवा का प्रतीक है। उन्होंने माता रानी से शहरवासियों के जीवन में सुख, शांति, स्वास्थ्य एवं समृद्धि बनाए रखने की प्रार्थना की। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य लीना दिनेश देवांगन, नीलेश अग्रवाल, शशि साहू, हर्षिका संभव जैन, रंजीता पाटिल, युवराज कुंजम, मनोज सोनी, जितेंद्र ताम्रकर, दुर्गेश गुप्ता, लता यादव, हेमलता वर्मा, साक्षी चौहान, रानी साहू, दामिनी भुवाल सहित निगम के अधिकारी-कर्मचारी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कैंपस मध्यस्थता प्रतियोगिता में 100 से अधिक युवाओं ने लिया हिस्सा

संवाद, सहमति और न्याय तक पहुंच के महत्व पर दिया गया जोर

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

विवादों का समाधान हमेशा टकराव से नहीं, बल्कि संवाद, आपसी समझ और सहमति से भी संभव है। इसी विचार को युवा पीढ़ी तक पहुँचाने तथा मध्यस्थता को व्यावहारिक रूप से समझने का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से मध्यस्थता 3.0 के अंतर्गत कैंपस मध्यस्थता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस पहल ने विद्यार्थियों को यह समझने का अवसर दिया कि मध्यस्थता किस प्रकार विवादों के सौहार्दपूर्ण समाधान का प्रभावी माध्यम बन सकती है।

- विजेताओं को किया गया पुरस्कृत

प्रतियोगिता में 100 से अधिक विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया, जो युवाओं के बीच मध्यस्थता एवं वैकल्पिक विवाद समाधान के प्रति बढ़ती रुचि को दर्शाता है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के. विनोद कुजूर के मार्गदर्शन में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग एवं शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय (साइंस कॉलेज), दुर्ग के मनोविज्ञान विभाग के सहयोग से विद्यार्थियों के लिए मध्यस्थता 3.0 कैंपस मध्यस्थता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को मध्यस्थता की प्रक्रिया से परिचित कराना तथा विवादों के समाधान में संवाद, आपसी समझ और स्वैच्छिक सहमति के महत्व को रेखांकित करना था। कार्यक्रम में के. विनोद कुजूर, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, तथा अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग; प्रो. डॉ. संजय तिवारी, कुलपति, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, डॉ. अजय सिंह, प्राचार्य; डॉ. अनिल कुमार पांडेय, कुलसचिव; तथा अनीश दुबे, जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, सुषमा लकड़ा, अध्यक्ष, स्थायी लोक अदालत, भूपेश कुमार बसंत, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, उमेश कुमार भागवतकर, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग, कामिनी जायसवाल, व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी, ऐश्वर्या दीवान, व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी उपस्थित थे।



तारीख पर तारीख से सहमति आधारित न्याय तक

जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अनीश दुबे ने अपने संबोधन की शुरुआत फिल्मी संवाद तारीख पर तारीख से करते हुए न्यायिक प्रक्रिया में होने वाले विलंब की ओर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने न्यायालयों में लंबित मामलों की बड़ी संख्या और सीमित न्यायिक संसाधनों के कारण उत्पन्न चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय लोक अदालतें लंबित मामलों के निपटारे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं तथा मध्यस्थता 3.0 भी विवादों के सौहार्दपूर्ण समाधान को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। कार्यक्रम में मध्यस्थता की प्रक्रिया में मनोविज्ञान की भूमिका को भी प्रमुखता से रेखांकित किया गया। मानवीय व्यवहार, भावनाओं, संवाद और पारस्परिक संबंधों की समझ विवादों के मूल कारणों को पहचानने तथा रचनात्मक बातचीत को आगे बढ़ाने में सहायक होती है।

प्रतियोगिता में विद्यार्थियों का उत्साहपूर्ण प्रदर्शन

प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने समूह एवं व्यक्तिगत स्पर्धाओं के माध्यम से संवाद, बातचीत और सहमति निर्माण से संबंधित अपनी क्षमताओं का शानदार प्रदर्शन किया। समूह प्रतियोगिता प्रथम पुरस्कार ग्रुप 8 यामिनी बघेल, नीता साहू, आदित्य कु. चंद्रपक्षी एवं मृणाल डप। द्वितीय पुरस्कार ग्रुप 5 कंचना कोषा, करुणा जैन, संध्या ठाकुर एवं अंजलि वर्मा। तृतीय पुरस्कार ग्रुप 2 श्रेया साहू, गरिमा साहू, ओमकुमारी एवं ध्यसंत साहू। स्नातक स्तर की व्यक्तिगत प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार मृणाल डप, द्वितीय पुरस्कार तोशी एवं तृतीय पुरस्कार श्लोक। स्नातकोत्तर स्तर की व्यक्तिगत प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार आशा, द्वितीय पुरस्कार अंजलि एवं तृतीय पुरस्कार नीतू शामिल है।

सहायक प्रोग्रामर और लेखापाल के पदों पर भर्ती के लिए आवेदन 30 तक

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

जिला पंचायत दुर्ग के अंतर्गत संचालित विकसित भारत रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) योजना के तहत जनपद पंचायत स्तर हेतु सहायक प्रोगामर के 02 पद एवं लेखापाल के 02 पद हेतु विज्ञापन 14 अक्टूबर के द्वारा समाचार पत्रों के माध्यम से एवं जिला दुर्ग के वेबसाइट www.durg.gov.in के माध्यम से विज्ञापन प्रकाशित किया गया है। विज्ञापन हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर निर्धारित की गई है।

आवेदन स्पीड पोस्ट एवं रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से कार्यालय, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत दुर्ग में प्राप्त किया जाना है। पात्र-अपात्र की सूची स्कूटनी उपरांत विहित समयावधि में जारी की जाएगी। उसके उपरांत निर्धारित समयावधि में दावा आपत्ति हेतु प्रेस विज्ञप्ति पुनः जारी किया जाएगा। संपूर्ण भर्ती प्रकिया शासन के दिशा-निर्देश के आधार पर की जा रही है। इस विज्ञापन के भर्ती के संबंध में अपील है कि व्यर्थ प्रलोभन में न आयें। कोई भी आर्थिक लेन-देन न करें। इस संबंध में होने वाले किसी भी क्षति या धोखाधड़ी के संबंध में संपूर्ण जवाबदेही संबंधित की होगी एवं उक्त के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। इस संबंध में किसी भी प्रकार की शिकायत आवेदक, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत दुर्ग कार्यालय, जिला पंचायत दुर्ग में या जिला पंचायत दुर्ग के मेल आई-डी vbgramg.durg<\@>gmail.com पर की जा सकती है।

खबर संक्षेप

डोमसरा स्कूल में गरबा महोत्सव की धूम, मां दुर्गा के नौ रूपों की झांकी ने मोहा मन

पंडरिया। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला डोमसरा में बच्चों को भारतीय संस्कृति से परिचित कराने और उनमें उत्साह का संचार करने के उद्देश्य से मां दुर्गा के नौ रूपों की आकर्षक झांकी एवं गरबा महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में नन्हें-मुन्ने बच्चों ने मां दुर्गा के विभिन्न नौ स्वरूपों को धारण कर सबका मन मोह लिया। बच्चों की वेशभूषा, अभिनय और भाव-भंगिमा को देखकर उपस्थित पालक और ग्रामीण मंत्रमुग्ध हो गए तथा इसकी सराहना की। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण दुर्गा के नौ रूप व गरबा-डांडिया रहा, डांडिया महोत्सव में लगभग 70 से 100 बच्चों ने एक साथ भाग लिया। ढोल-नगाड़ों और गरबा गीतों की धुन पर बच्चों ने जमकर डांडिया खेला। तीन दिनों की लगातार मेहनत और अभ्यास के बाद बच्चों ने यह शानदार प्रस्तुति दी। कार्यक्रम को तैयार करने वाली शिक्षिका गिरिजा पटेल ने इस संबंध में बताया कि मात्र 3 दिनों के अभ्यास में ही बच्चों ने बहुत ही सुंदर प्रस्तुति दी है। यह देखकर हम सभी शिक्षक गौरवान्वित हैं। बच्चों में गजब का उत्साह देखने को मिला। उन्होंने बताया कि इससे बच्चे संस्कृति व धार्मिक रीति रिवाजों से परिचित होंगे।



जोत-ज्वारा विसर्जन में शामिल हुए श्रद्धालु गण



बरबसपुर। जिले से लेकर ग्रामीण अंचलों तक इन दिनों नवरात्रि पर्व पर देवी मंदिरों एवं माता देवालय तथा कुछ पूजा पंडालों में जोत-ज्वारा स्थापित किए गए हैं, जो हवन-यज्ञ के पश्चात जोत-ज्वारा का विसर्जन जस गीतों के माध्यम से तथा शोभा यात्रा निकालकर नगर भ्रमण कर किया गया। इस जोत-ज्वारा विसर्जन के अवसर पर तालाब में बड़ी संख्या में भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। यह नजारा ग्राम दौजरी, सिंघनपुरी व आसपास क्षेत्रों में विसर्जन का सिलसिला चला।

पिपरिया में महाअष्टमी पर कराया कन्या भोज



पिपिरया। नगर पंचायत में मां संस्कार दुर्गा उत्सव समिति गुप्तापारा पिपरिया द्वारा महाअष्टमी पर विधि विधान से पूजन-हवन पश्चात महाआरती किया गया साथ ही साथ कन्या भोज कराया गया, तत्पाश्चात प्रसाद का वितरण किया गया। इस महाअष्टमी पर्व में सैकड़ो की संख्या में भक्तजनों ने प्रकाश ग्रहण किया। शारदीय नवरात्रि में नौ दिनों तक देवी मां की आराधना, पूजन, भक्ति-भाव जसगीत का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

दशहरा उत्सव कार्यक्रम में नीलू चंद्रवंशी हुए शामिल



कवर्धा। ग्राम बाजार चारभाठा में ग्राम पंचायत सरपंच एवं समस्त ग्रामवासी के निमंत्रण पर पंडरिया विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी नीलू चंद्रवंशी ने दशहरा उत्सव एवं रावण दहन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस दशहरा उत्सव कार्यक्रम में समस्त ग्रामवासियों के साथ नीलू चंद्रवंशी एवं पूर्व विधायक श्रीमती ममता चंद्राकर, सरपंच शिवम कुम्भकार एवं समस्त कांग्रेस कार्यकर्ता ने रावण दहन करने वाले रामलीला समिति सहित श्रीराम लक्ष्मण एवं पूरा समिति के साथ रावण दहन मैदान में पहुंचकर भगवान श्री राम का पूजा-अर्चना कर श्रीराम-लीला संवाद प्रारंभ होकर रावण दहन किया गया। रावण दशहरा उत्सव कार्यक्रम में ठाठापुर ब्लॉक के जिला प्रभारी सतीश सिंह गहरवार, विनय वैष्णव, दिलीप साहू, हिम्लेश निर्मलकर, टीकम शर्मा, जीतू जायसवाल, गिरधर कौशिक, रामावतार सेन, सुरेश कौशिक, महेश वैष्णव, ओम कौशिक, राजेंद्र मारकंडे, दुर्गेश कुम्भकार, गजानंद निषाद, भागवत कुम्भकार, गोपाल कौशिक, पिंटू कौशिक, रामावतार कौशिक, संदीप कौशिक, संजय कौशिक, हेमराज कौशिक, अरुण कुम्भकार एवं समस्त कांग्रेस कार्यकर्ता की उपस्थिति में दशहरा उत्सव संपन्न हुआ।

क्षेत्र में 171 जोत-ज्वारा कलश का किया गया विसर्जन

कोलेगांव विकासखंड पंडरिया के ग्राम कोलेगांव में मंगलवार को मां महामाया शीतला मंदिर में प्रज्जवलित 171 मनोकामना ज्योति कलशों का विधि-विधान के साथ विसर्जन किया गया। इस दौरान माता रानी के जयकारों, जसगीतों और देवी सेवा गीतों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने माता रानी की पूजा-अर्चना कर अपने परिवार और क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की।

पेज 7 का शेष

सुबह की सैर से लेकर स्कूल ...

रात के तापमान में गिरावट के संकेतः मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, 21 से 25 अक्टूबर के बीच न्यूनतम तापमान लगभग 18 से 20 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है, जबकि अधिकतम तापमान 32 से 33 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। ऐसे में फिलहाल दिन में गर्मी और सुबह-शाम हल्की ठंड का मिला-जुला असर बना रहने की संभावना है। सुबह कम दृश्यता वाले स्थानों पर वाहन चालकों को सावधानी बरतने की जरूरत है। मौसम में बदलाव के बीच लोगों को सुबह और रात के समय हल्के गर्म कपड़ों का इस्तेमाल करने की सलाह दी जा सकती है।

दर्शन: कवर्धा की ऐतिहासिक खप्पर यात्रा में माता काली के दर्शन कर लिया आशीर्वाद

डिप्टी सीएम ने महाष्टमी में किए मां दंतेश्वरी, परमेश्वरी व मां चंडी के दर्शन

- दूर-दराज से पहुंचे युवाओं से की मुलाकात, माता सेवा में शामिल होकर साझा की भक्ति की खुशियां

हरिभूमि न्यूज ⏭ कवर्धा

नवरात्रि की महाअष्टमी पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कवर्धा नगर स्थित प्रसिद्ध मां दंतेश्वरी मंदिर, मां परमेश्वरी मंदिर एवं मां चंडी मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने कवर्धा की ऐतिहासिक धार्मिक परंपरा के अंतर्गत रात्रि में निकलने वाली माता काली की खप्पर यात्रा के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान वे श्रद्धालुओं के साथ माता सेवा में शामिल हुए और जसगीत गाकर मां भगवती की आराधना की।

बताया जाता है कि महाअष्टमी की रात्रि में खप्पर निकालने की परंपरा सौ वर्षों से भी अधिक पुरानी मानी जाती है। मां दंतेश्वरी, मां चंडी और मां परमेश्वरी मंदिरों से जुड़ी यह अनूठी परंपरा क्षेत्र की धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार माता काली के स्वरूप में खप्पर धारण कर नगर भ्रमण की यह परंपरा नगर की सुख-शांति, सुरक्षा और लोक कल्याण की कामना के साथ निभाई जाती है। माता के जयकारों और भक्तिमय वातावरण के बीच बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस विशेष अनुष्ठान के दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने खप्पर वाली माता के श्रद्धापूर्वक दर्शन किए और इस प्राचीन परंपरा के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। इस दौरान उन्होंने कवर्धा सहित दूर-दराज के क्षेत्रों से दर्शन के लिए पहुंचे युवाओं और श्रद्धालुओं से आत्मीय मुलाकात की। माता सेवा में शामिल होकर उन्होंने सभी के साथ जसगीत गाए। भक्ति गीतों और माता के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो उठा। उन्होंने सभी को नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए उनका हालचाल जाना।





प्राचीन धार्मिक परंपराओं और लोक आस्था की अनमोल धरोहर खप्पर यात्रा

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कवर्धा की खप्पर यात्रा हमारी प्राचीन धार्मिक परंपराओं और लोक आस्था की अनमोल धरोहर है। पीढ़ियों से चली आ रही यह परंपरा आज भी लोगों को अपनी संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत से जोड़े हुए है। उन्होंने कहा कि महाअष्टमी के पावन अवसर पर माता के दर्शन और श्रद्धालुओं के साथ सेवा एवं आराधना में शामिल होना सौभाग्य की बात है। उन्होंने मां भगवती से सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की प्रार्थना की।

किसानों की धान फसल परिपक्व, घुमंतू मवेशी धान की फसल को पहुंचा रहे हैं भारी नुकसान



हरिभूमि न्यूज ⏭ बरबसपुर

जिला मुख्यालय से लगभग 3 से 7 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्राम जोराताल, नेवारी और सिंघनपुरी नेशनल हाईवे सड़क पर स्थित हैं, जहां के किसानों ने नेशनल मार्ग के किनारे धान की पैदावार बड़ी संख्या में की है। अब वर्तमान में किसानों के खेतों में धान की फसल परिपक्व हो रही है, बालियां निकल आई हैं, जिसे सैकड़ों की संख्या में पहुंचकर मवेशी शाम ढलते ही चट कर रहे हैं, जिससे किसानों को भारी नुकसान हो रहा है।

बताया जाता है कि सिंघनपुरी के ग्रामीण 24 घंटे मवेशियों की रखवाली कर रहे हैं, इसके बाद भी सैकड़ों की संख्या में मवेशी पहुंच रहे हैं, जिससे किसान मवेशियों से छुटकारा नहीं पा रहे हैं। सुबह और शाम ढलते ही जोराताल और सिंघनपुरी के सड़क किनारे सैकड़ों मवेशियों को खदेड़ते हुए देखा जा सकता है। यह नजारा जोराताल पेट्रोल टंकी के आसपास देखा जा सकता है।

सुबह और शाम ढलते ही नेशनल मार्ग पर सैकड़ों मवेशियों का जमावड़ा लगा रहता है। इस मार्ग पर 24 घंटे तेज रफ्तार से दोपहिया से लेकर चार पहिया वाहन चलते हैं, जिससे हादसा-दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। ऐसी स्थिति सड़क दुर्घटना का संकेत देती है।

सरकार से की मुआवजा की मांग

ग्राम जोराताल, नेवारी और सिंघनपुरी के किसान अर्जुन बंजारे, शिव कुमार बंजारे और सालिक राम धुर्वे का कहना है कि परिपक्व हो रही किसानों की फसलों को मवेशी नुकसान पहुंचा रहे हैं। इसकी सरकार जांच-मूल्यांकन कर क्षतिग्रस्त फसल का मुआवजा दे, ताकि किसानों को हुए नुकसान की भरपाई हो सके।

प्रतापपुर-भगतपुर-निगापुर सड़क का हुआ कायाकल्प



- लोक निर्माण विभाग की पहल से सड़क की बदली तस्वीर, ग्रामीणों को मिली राहत

हरिभूमि न्यूज ⏭ कवर्धा

जिले के पंडरिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम प्रतापपुर-भगतपुर-निगापुर मार्ग पर डब्ल्यूबीएम कार्य पूर्ण कर लिया गया है, जिससे ग्रामीणों में आवागमन सुगम हुआ है। इस मार्ग की स्थिति पहले खराब थी। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे और कीचड़ होने के कारण ग्रामीणों एवं राहगीरों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता था।

विशेषकर बारिश के दौरान इस मार्ग से गुजरना चुनौतीपूर्ण हो जाता था। जिस पर कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति के निर्देश पर ग्रामीणों की आवागमन संबंधी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़क के पुनर्निर्माण की स्वीकृति के बाद मार्ग को बेहतर बनाने की दिशा में कार्य किया गया। वर्तमान में मार्ग पर डब्ल्यूबीएम कार्य पूर्ण कर लिया गया है, जिससे आवागमन पहले की तुलना में अधिक सुगम हुआ है।

सड़क की स्थिति में आए इस बदलाव से स्थानीय ग्रामीणों, दोपहिया वाहन चालकों और अन्य राहगीरों को राहत मिली है।

बेहतर सड़क संपर्क से ग्रामीणों के दैनिक आवागमन में सुविधा होगी तथा क्षेत्र की संपर्क व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। यह कार्य क्षेत्र में बेहतर सड़क संपर्क और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने की दिशा में लोक निर्माण विभाग के निरंतर प्रयासों को दर्शाता है।

पिपरिया में दशहरा पर्व की रही धूम

हरिभूमि न्यूज ⏭ पिपरिया

नगर पंचायत पिपरिया में दशहरा पर्व हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाया गया, दशहरा पर्व असत्य पर सत्य, बुराई पर अच्छाई व अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक विजयादशमी के पावन पर्व पर सर्वप्रथम नगर के बड़े मंदिर से बाजे-गाजे आतिशबाजी के साथ भगवान श्रीराम-लक्ष्मण एवं भक्त हनुमानजी की शोभा यात्रा निकाली गई, जो नगर के प्रमुख मार्ग से होते हुए रावण दहन स्थल बड़े बाजार पहुंची।

वही रास्ते में श्रद्धालुओ द्वारा भगवान की पूजा-अर्चना की गई एवं जय श्रीराम के उद्घोष से पूरा वातावरण भक्ति-भाव में डूब गया साथ में अखाड़ो के लोगो द्वारा शस्त्रपूजन के साथ शस्त्र-चालन का शौर्य प्रदर्शन किया गया। नगर मेंद शहरा पर्व की परम्परा बहुत प्राचीन है, बताया जाता है कि रजवाड़े के समय से चली आ रही परम्परा आज भी बनी हुई है, शाम लगभग 06 बजे भगवान श्रीराम द्वारा आग्नेय शस्त्र चलाकर 25 फूट का रावण वध किया गया।

पुराणों के अनुसार आज ही के दिन मां दुर्गा ने नव दिन के भयंकर युद्ध के पश्चात दसवें दिन महिषासुर राक्षस का वध किया था। पूरा वातावरण भक्ति-भाव में डूबकर जय श्रीराम का जयकारे लगाए, दशहरा पर्व में समीवृक्ष की पूजन की भी परम्परा का निर्वाह करते हुए सबने विजयादशमी पर्व पर शुभकामनाएं दिए।



देखरेख के अभाव, यात्री प्रतीक्षालय बदहाल हुआ

हरिभूमि न्यूज ⏭ कवर्धा

शहर के कवर्धा-राजनांदगांव बाइपास स्थित यात्री प्रतीक्षालय देखरेख के अभाव में स्थिति ठीक नहीं है। यहां यात्रियों की सुविधा के लिए लगाए गए बोर्ड खराब हो चुके हैं, वहीं बैठने के लिए लगी सीटें भी टूटी हुई हैं। ऐसे में बस का इंतजार करने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

27वें स्थापना दिवस पर आस्था समिति का मंथन, सामाजिक बदलाव पर जोर

कवर्धा। आस्था समिति के 27वें स्थापना दिवस पर मंथन थीम पर आयोजित किया गया, संस्था प्रमुख दौलत राम कश्यप ने संस्था के कार्य के बारे मे विस्तारपूर्वक बताया गया, कार्यशाला में शिक्षा, आर्थिक सशक्तीकरण, राजनीतिक भागीदारी और सामाजिक एकजुटता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। विभिन्न समाजों के प्रमुखों एवं प्रतिनिधियों ने समाज को पिछड़ेपन से निकालकर प्रगतिशीलता की दिशा में आगे बढ़ाने पर जोर दिया। कार्यशाला में सतनामी समाज के प्रमुख रामप्रसाद मिरी ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मृत्यु भोज जैसी सामाजिक परंपराओं में बदलाव के लिए टकराव के बजाय संवाद और पीड़ित परिवारों को सहयोग देने की बात कही। वहीं सर्व यादव समाज के प्रमुख ओम यदु ने शिक्षा, जागरूकता और सामाजिक एकता को विकास का आधार बताया। कार्यक्रम में डॉ ऋचा मिश्रा, नरेंद्र कुलमित्र, सहायक प्राध्यापक असित कुमार मिश्रा, रमेश देवांगन, नरेंद्र देवांगन एवं इतवारी मछिया ने अपने विचार रखे। कार्यशाला में यह संदेश दिया गया कि शिक्षा, आर्थिक स्वावलंबन, सामाजिक सहयोग और राजनीतिक भागीदारी ही सशक्त एवं प्रगतिशील समाज के निर्माण के प्रमुख आधार हैं। आस्था समिति की इस पहल का उद्देश्य विभिन्न समाजों को एक मंच पर लाकर सामाजिक बदलाव के लिए सामूहिक प्रयासों को बढ़ावा देना है। इस दौरान भुवन पटेल, राजेश गोयल, उमाशंकर कश्यप, महेश निर्मलकर, ललित सिन्हा, राकेश एवं संस्था के कार्यकर्त्ता गण उपस्थित थें।

दशहरा पर्व सत्य, धर्म तथा सदाचार के मार्ग पर चलने का संदेश

क्षेत्र में धूमधाम से मनाया विजयादशमी



हरिभूमि न्यूज ⏭ कोलेगांव

विकासखंड पंडरिया के ग्राम कोलेगांव, धनेली, कुआंमालगी, मोहतरा कला, घोरपेंड्री, भगतपुर, पिपरमाटी, कुण्डा, दामापुर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में विजयादशमी का पर्व बड़े ही उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर लोगों ने एक-दूसरे को दशहरा पर्व की शुभकामनाएं दीं और सत्य, धर्म तथा सदाचार के मार्ग पर चलने का संदेश दिया।

विजयादशमी को दशहरा के नाम से भी जाना जाता है। यह पर्व बुराई पर अच्छाई और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार त्रेतायुग में भगवान श्रीराम ने लंकापति रावण का वध कर माता सीता को उसके बंधन से मुक्त कराया था। इसी विजय की स्मृति में हर वर्ष आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को विजयादशमी का पर्व मनाया जाता है।

विजयादशमी का संबंध मां दुर्गा की महिषासुर पर विजय से भी जुड़ा है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, मां दुर्गा ने नौ दिनों तक चले युद्ध के बाद दसवें दिन महिषासुर का वध किया था। इसी कारण यह पर्व शक्ति, साहस और धर्म की विजय का प्रतीक माना जाता है। देश के विभिन्न हिस्सों में इसे अलग-अलग परंपराओं और रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाता है।



खबर संक्षेप

पारंपरिक गुजराती परिधानों में विद्यार्थियों ने किया गरबा

दुर्ग। भारती विश्वविद्यालय दुर्ग के प्रांगण में नवरात्रि के अवसर पर गरबा उत्सव के अवसर पर छात्र-छात्राओं ने पारंपरिक गुजराती परिधानों में गरबा और डांडिया की मनमोहक प्रस्तुति दी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति सुशील चंद्राकर एवं संयुक्त प्रबंध निदेशक शालिनी चंद्राकर अतिथि उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा मां दुर्गा की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों में हमारी संस्कृति के प्रति सम्मान और एकता की भावना विकसित करते हैं। कार्यक्रम में उप-कुलपति डॉ. आलोक भट्ट, कुलसचिव डॉ. वीरेंद्र कुमार स्वर्णकार, डायरेक्टर डॉ. आरपी अग्रवाल, डायरेक्टर डॉ. घनश्याम साहू, डॉ. विद्यावती चंद्राकर एवं डॉ. स्वाती पांडे की विशेष उपस्थिति रही। पुरस्कृत प्रतिभागियों में बेस्ट गरबा किंग-यश साहू, बेस्ट गरबा क्विन-शिवानी थवाइत, बेस्ट कॉस्ट्यूम प्रज्वल प्रधान एवं प्रियंका साहू थे।

जैन संस्कार शिविर में 135 बच्चे ग्रहण कर रहे धर्म और संस्कारों की शिक्षा

दुर्ग। वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रमण संघ, दुर्ग के बैनर तले जय आनंद मधुकर रतन भवन, बांधा तालाब, दुर्ग में जैन संस्कार शिविर का आयोजन किया जा रहा है। मानव मिलन संस्थापक, नेपाल केसरी, राष्ट्र संत डॉ. मणिभद्र मुनि महाराज के पावन सानिध्य और पुनित मुनि महाराज के प्रेरक मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में लगभग 135 बच्चे जैन धर्म, धार्मिक संस्कारों एवं नैतिक शिक्षा का अध्ययन कर रहे हैं। शिविर का मुख्य उद्देश्य बच्चों में बचपन से ही धर्म के प्रति आस्था, संस्कारों के प्रति सम्मान तथा जीवन में सदाचार, अनुशासन, विनम्रता, अहिंसा और करुणा जैसे गुणों का विकास करना है। वर्तमान समय में बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ अपनी धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए शिविर में बच्चों को जैन धर्म के मूल सिद्धांतों, धार्मिक परंपराओं और जीवन को श्रेष्ठ बनाने वाले संस्कारों से परिचित कराया जा रहा है।

गरबा डांडिया नाइट 2026 का आयोजन दिखी भारतीय संस्कृति की झलक

भिलाई। संजय रूंगटा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स में गरबा डांडिया नाइट 2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नवरात्रि के उत्साह, भारतीय संस्कृति और पारंपरिक नृत्य का शानदार संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में संजय रूंगटा, चेयरमैन संकेत रूंगटा, डायरेक्टर एवं हर्षा रूंगटा की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. प्रीति नवीन यादव ने किया। इस अवसर पर आरसीएसटी, आरआईपीएस/ आरआईपीएसआर, आरसीएसडीआर, आरआईएसएम, आरआईटीआई, आरएसआरआरसीईटी एवं आरपीएस के डायरेक्टर्स, डीन, प्राचार्य और संकाय सदस्य उपस्थित रहे। लगभग 1500 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। चेयरमैन संजय रूंगटा ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें अपनी प्रतिभा निखारने और सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधियों ने दिया समभाव और सद्भाव का संदेश

भिलाई। भारत रत्न और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती के अवसर पर विश्व छात्र दिवस मनाया गया। इस अवसर पर समभाव सामाजिक सेवा समिति भिलाई की ओर से सेक्टर-9 स्थित मुख्य अस्पताल के सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया गया। समिति के संरक्षक बिमान भट्टाचार्य, बीना भट्टाचार्य और राजेन्द्र नायडू के नेतृत्व में हुए इस आयोजन में सेवा, सद्भाव और सामाजिक सहयोग की भावना को प्रमुखता दी गई। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त होने जा रहे मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. उदय कुमार और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संबिता पंडा का सम्मान किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक रूप से दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद समिति अध्यक्ष पिलेश कुमार सिंह ने स्वागत भाषण दिया।

पर्व : देवी मंदिरों में सुबह से उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, चौक-चौराहों पर स्थापित दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला देर रात तक जारी

विधि-विधान के साथ ज्योति कलशों का विसर्जन नौ कन्याओं की पूजा कर कराया भोजन



हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

नगर सहित ग्रामीण अंचलों के विभिन्न देवी मंदिरों में शारदीय नवरात्र पर्व पर स्थापित मनोकामना ज्योति कलशों का बुधवार को विधि-विधान के साथ विसर्जन किया गया। इस दौरान मंदिरों में पूजा-अर्चना, पूर्णाहुति और महाआरती के बाद श्रद्धालुओं ने माता के प्रति आस्था प्रकट की।

वहीं, जिला मुख्यालय सहित आसपास के गांवों में चौक-चौराहों पर स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला भी शुरू हुआ, जो देर रात तक चलता रहा। घरों में स्थापित ज्योति कलश और जवारा का भी श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ विसर्जन किया गया। देवी मंदिरों में ज्योति कलश विसर्जन की प्रक्रिया सुबह से ही प्रारंभ हो गई थी। सबसे पहले महामाया मंदिर में स्थापित मनोकामना ज्योति कलशों को महिलाओं ने कतारबद्ध होकर निकाला। यह यात्रा बाजारपारा स्थित माता शीतला मंदिर पहुंची, जहां मंदिर में स्थापित ज्योति कलशों को भी विधिवत निकाला गया। इसके बाद जसगीत मंडलियों के भक्ति गीतों और आतिशबाजी के बीच ज्योति कलशों को बाजारपारा स्थित माता भद्रकाली मंदिर के पास तालाब तक ले जाया गया। यहां बैगाओं ने विसर्जन से पहले विधि-विधान से पूजा-अर्चना कराई। इसके बाद एक-एक कर ज्योति कलशों का विसर्जन किया गया। वहीं, माता भद्रकाली मंदिर और बम्लेश्वरी मंदिर में स्थापित ज्योति कलशों को मंदिर परिसर में ही विधि-विधान से शांत किया गया।



नौ कन्याओं की पूजा कर कराया भोजन

नवरात्र पर्व के समापन पर श्रद्धालुओं ने नौ कन्याओं की पूजा-अर्चना कर उन्हें भोजन कराया। नौ दिनों तक उपवास रखने वाले श्रद्धालुओं ने कन्याओं को आमंत्रित कर विधि-विधान से पूजन किया। इसके बाद उन्हें श्रृंगार सामग्री और वस्त्र भेंट किए गए। कन्याओं को विभिन्न प्रकार के पकवान और मिष्ठान परोसकर भोजन कराया गया। श्रद्धालुओं ने कन्या पूजन के साथ नवरात्र व्रत का समापन किया और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

पुलिस कॉलोनी में विधि-विधान से हुआ मां दुर्गा भवानी की प्रतिमा का विसर्जन



बेमेतरा। रक्षित केंद्र स्थित पुलिस कॉलोनी में नौ दिनों तक मां दुर्गा भवानी की आराधना के बाद मंगलवार को विधि-विधान और श्रद्धा के साथ प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इस अवसर पर महाआरती, हवन-पूजन, कन्या भोज, भंडारा- प्रसादी वितरण सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

जस गीत और भजन-कीर्तन के बीच निकली विसर्जन शोभायात्रा में पुलिस परिवार के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। नवरात्रि के दौरान पुलिस कॉलोनी में प्रतिदिन धार्मिक आयोजन किए गए। अष्टमी और नवमी पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विशेष पूजा-अर्चना, हवन और पूर्णाहुति संपन्न हुई। इसके बाद कन्या भोज, भंडारा और प्रसादी वितरण किया गया। आचार्य अभिषेक दुबे ने विधि-विधान से धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए। वहीं, प्रतिदिन रात्रि में पुलिस परिवार के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। जस गीत और भजन-कीर्तन से पूरा परिसर भक्तिमय बना रहा।

- महाआरती, हवन-पूजन और भंडारा-प्रसादी का आयोजन, पुलिस परिवार ने मांगी सुख-समृद्धि की कामना

आयोजन के दौरान पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल सहित जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने मां दुर्गा भवानी के पंडाल में पहुंचकर पूजा-अर्चना की। उन्होंने पुलिस परिवार और जिले के नागरिकों की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। मंगलवार सुबह बाजे-गाजे, जस गीत और भजन-कीर्तन के साथ मां दुर्गा भवानी की प्रतिमा को विसर्जन के लिए ले जाया गया। शोभायात्रा में श्रद्धालु मां के जयकारे लगाते हुए शामिल हुए। पूरे श्रद्धा भाव और भक्तिमय वातावरण के बीच प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. हरीश यादव, एसडीओपी बेमेतरा भूषण एक्का, एसडीओपी बेरला रुचि वर्मा, रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो, सिटी कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक सोनल ग्वाला, साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक मयंक मिश्रा, प्रशिक्षु सूबेदार चुमन लाल उर्वशा सहित पुलिस परिवार के सदस्य, महिलाएं, बच्चे और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

श्रद्धा भक्ति और आस्था के बीच ज्योति जंवारा विसर्जित

थान खम्हरिया। नगर सहित ग्रामीण अंचलों में दुर्गा महाष्टमी के हवन पूजन के बाद माता देवालयों में स्थापित ज्योति जवांरा का आज पूरी श्रद्धा भक्ति व आस्था के बीच जसगीत के साथ तालाबों में विसर्जित कर दिया गया।

सुबह से चली विसर्जन यात्रा में ज्योति जवांरा का दर्शन करने श्रद्धालुओं की सड़क पर भीड़ लगी रही।नवरात्र के 9 दिन तक अखंड रूप से प्रज्वलित ज्योति और बोए गए जवांरा का आज विसर्जन किया गया। सुबह 8 बजे से ही नगर के शीतला मंदिर, दंतेश्वरी मंदिर, महामाया मंदिर, माई मंदिर से ज्योति कलश और जवांरा की टोकरी सिर पर रखकर महिलाएं और पुरुष विसर्जन के लिए निकले।ढोलक-मंजीरे की थाप पर मोर अंगना पधारो महारानी जैसे जसगीत गाते हुए श्रद्धालु तालाब की ओर बढ़ रहे थे। पूरे मार्ग में जय माता दी के जयकारे गूंज नगर मे गूंजने लगा। विसर्जन के बाद महिलाओं ने एक-दूसरे को जवांरा देकर बधाई दी और सुख-समृद्धि की कामना की। पुरुषों ने जवांरा को कान में धारण किया, जिसे रक्षा कवच माना जाता है।सनद रहे चैत्र व क्वांर नवरात्र मे नवमी के दिन विसर्जन किया जाता रहा है परंतु तिथि मे परिवर्तन के बाद आज विजयदशमी पर ज्योति जवांरा विसर्जित किया गया।नगर के चौक चौराहो मे विराजित मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन बडी धूमधाम से की जायगी,राष्ट्रीय दुर्गोत्सव समित सुबह 9 बजे सांगदेव के झांकी के साथ तो मारवाडी दुर्गोत्सव समिति,नव दुर्गोत्सव समिति सहित विभिन्न समिति डीजे व धूमाल की धून पर उमंग व उत्साह के वातावरण मे प्रतिमाओ का विधिवत विसर्जन किया जायगा। दिन भर चलने वाली विसर्जन झांकी देखने आसपास के ग्रामीण अंचलो से भारी संख्या भक्तो की भीड़ जमा होगी। सूरक्षा के दृष्टिगत नगर के विसर्जन हेतु अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती होगी शांथि समिति की बिठक में लिए गये निर्णयों के मुताबिक हुडदंगीयों पर पुलिस की पैनी नजर होगी। विसर्जन पर थाना प्रभारी सत्यप्रकाश उपाध्याय पूरी टीम के साथ देर रात तक सुरक्षात्मक तरीके से व्यवस्था सम्हालेंगे।





भिलौरी में विधि-विधान से मां दुर्गा एवं ज्योत जंवारा का विसर्जन

बेमेतरा। ग्राम भिलौरी स्थित श्रीराम जानकी मंदिर प्रांगण में विराजमान मां दुर्गा एवं ज्योत जंवारा का विधि-विधान के साथ धूमधाम से विसर्जन किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ मां दुर्गा को विदाई दी। गांव में दशहरा पर्व भी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। ग्राम भिलौरी के व्याख्याता एवं श्रीराम लीला मंडली के सदस्य अनुज राम साहू ने बताया कि विसर्जन कार्यक्रम में समस्त ग्रामवासी, नव ज्योति श्रीराम लीला मंडली के सदस्य तथा श्रीराम जानकी सेवा समिति के लोग उपस्थित रहे। धार्मिक आयोजन में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई और परंपरानुसार मां दुर्गा एवं ज्योत जंवारा का विसर्जन संपन्न कराया।

पिरदा के जगराता में शामिल हुए पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा



बेमेतरा। ग्राम पिरदा में जय बाबा महाकाल दुर्गा उत्सव समिति एवं व्यापारी संघ द्वारा आयोजित रात्रिकालीन जगराता में जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा शामिल हुए। उन्होंने माता रानी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और बेमेतरा विधानसभा सहित पूरे छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। जगराता में भक्ति गीतों और माता रानी के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। इस दौरान छाबड़ा ने कहा कि नवरात्रि का पर्व सत्य, साहस, जनसेवा और सामाजिक सद्भाव की प्रेरणा देता है। धार्मिक आयोजन हमारी संस्कृति और परंपराओं को सहेजने के साथ सामाजिक एकता को मजबूत बनाते हैं। उन्होंने आयोजन समिति, व्यापारी संघ, श्री विवेक शर्मा एवं ग्रामवासियों को सफल आयोजन की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर सुमित राजपूत, शुभम वर्मा, निहाल परगनिहा, संजू परगनिहा सहित समिति के सदस्य एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

साजा में 150 वर्षों से निकल रहा देव ध्वज पांच पीढ़ियों से निभाई जा रही परंपरा



साजा। नगर में रावण वध के अवसर पर स्वर्गीय फूल सिंह वर्मा के घर से लगभग 150 वर्षों से देव ध्वज निकालने की परंपरा निभाई जा रही है। लोक संस्कृति कर्मी एवं जनजाति शोधार्थी राम कुमार वर्मा के अनुसार, वर्तमान में कांत वर्मा अपने पूर्वजों की परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। बांस से बने अंडाकार ढांचे में श्रीराम, हनुमान सहित देवी-देवताओं के चित्र सजाकर गाजे-बाजे के साथ शोभायात्रा निकाली जाती है। रावण वध के बाद देव निशान श्रीराम-हनुमान मंदिर, माता शीतला मंदिर, कुर्मी के हनुमान मंदिर और सहाड़ा देव सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों से होकर नगर भ्रमण करता है। इसके बाद इसे फूल सिंह वर्मा के घर लाकर आरती की जाती है और सुरक्षित रखा जाता है। नगरवासियों की इस परंपरा से गहरी धार्मिक आस्था जुड़ी है।

राम-लक्ष्मण-सीता व हनुमान सेना की निकाली झांकी

मटिया में धूमधाम से मनाया दशहरा पर्व, धूं धूं कर जला रावण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेरला

बुराई पर सच्चाई का प्रतीक दशहरा पर्व मटिया में बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया। मंगलवार देर शाम मटिया स्कूल के पास स्थित मैदान में 50 फीट ऊंचे रावण के पुतले जलाए गए। उड़ता हनुमान मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा।

इस दौरान अतिशबाजी की गई, जिससे आसमान जगमगा उठा। सैकडों लोगों ने आतिशबाजी का नजारा देखा। आयोजन में मुख्य अतिथि सेवा सहकारी समिति बारगांव के अध्यक्ष नरेंद्र वर्मा, बेरला जनपद उपाध्यक्ष शुभम वर्मा, सरद मंडल अध्यक्ष देवेंद्र वर्मा, कांग्रेस नेता तखत राम साहू प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। रामलीला नाट्यमंचन के बाद भगवान श्री राम द्वारा रावण के पुतले को जलाया गया, पूरा मैदान आतिशबाजी से गूंज उठा। वहीं रावण दहन के बाद गांव में घर-घर में भगवान श्रीराम की पूजा-अर्चना की गई झांकियों के माध्यम से असत्य पर सत्य व बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाया गया। जिसमें राम-लक्ष्मण-सीता, हनुमान सेना सहित रावण इत्यादि की झांकियां निकाली गई। भगवान श्रीराम, भाई लक्ष्मण, माता सीता और हनुमान की जीवंत झांकी लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा।





दशहरा पर्व पर रावण दहन किया

साजा। अंचल में दशहरा पर्व पर ग्राम तेदूभाठा में बाल मंडली ने रावण दहन किया। जिसमें जनपद सदस्य वंदना, त्रिलोकी साहू, सरपंच पुरुषोत्तम शर्मा सहित ग्रामीण भारी संख्या में उपस्थित रहे।

